ई-माहिती

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, गुजरात की त्रैमासिक ई - गवर्नेंस पत्रिका

जनवरी-मार्च 2026

Vibrant GUJARAT REGIONAL CONFERENCES
Regional Aspirations, Global Ambitions

mygov मेरी सरकार

G20 भारत 2023 INDIA

Digital India
Power To Empower

महात्मा गांधी संग्रहालय

महात्मा गांधी संग्रहालय गुजरात के राजकोट शहर में स्थित है। यह ऐतिहासिक अल्फ्रेड हाई स्कूल की इमारत में बना है, जहाँ महात्मा गांधी ने अपने छात्र जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष बिताए थे। संग्रहालय में गांधी जी के जीवन, विचारों, सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों तथा भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को दर्शाया गया है। आधुनिक ऑडियो-विजुअल और मल्टीमीडिया माध्यमों से उनके जीवन की यात्रा को सरल और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। यह संग्रहालय युवाओं और पर्यटकों के लिए प्रेरणा का महत्वपूर्ण केंद्र है।

NIC
राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, गुजरात

राजकोट
Rajkot

क्षेत्रफल	11,203 वर्ग किमी
जनसंख्या	38 लाख
साक्षरता दर	85.44%
ब्लॉक	14
गाँव	616

विषय अनुक्रमणिका

वाइब्रेंट गुजरात सौराष्ट्र–कच्छ क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन	01
सोमनाथ स्वाभिमान पर्व	02
खाद्यान्न वितरण के लिए डिजिटल करेंसी का शुभारंभ	03
साणंद (अहमदाबाद) में एटीएमपी, ओएसएटी संयंत्र का उद्घाटन	04
स्वागत 2.0 : नागरिक-केंद्रित शासन को सशक्त बनाना	05
एनआईसी गुजरात द्वारा ई-गवर्नेंस में एआई का विस्तार	07
आरएमएस : कलेक्टर कार्यालय के कामकाज में आमूल परिवर्तन	08
सुरक्षित इंटरनेट दिवस 2026 का गुजरात में व्यापक आयोजन	09
हिन्दी कार्यशाला : "चित्र देखो और वर्णन करो" प्रतियोगिता	10
विदाई समारोह - श्री जगदीश बी. सोनी	11
विदाई समारोह - श्री संतोष वासु मेनन	12
सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2025	13
पॉट लक गैदरिंग	13

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र

गुजरात राज्य केंद्र, ब्लॉक 13, द्वितीय तल,
सरदार भवन ,गांधीनगर, गुजरात 382010

: sio-guj@nic.in

: https://guj.nic.in

संरक्षक

श्री प्रमोद कुमार सिंह
वैज्ञानिक-जी एवं
राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी
गुजरात

संपादकीय टीम

श्री शैलेष खणेशा
वैज्ञानिक-डी एवं
संयुक्त निदेशक (आई.टी.)

श्री कुणाल देराश्री
वैज्ञानिक-सी एवं
उप निदेशक (आई.टी.)

एनआईसी, गुजरात के सेवानिवृत्त अधिकारीयों का विवरण

श्री जगदीश बी. सोनी
पूर्व वैज्ञानिक-जी
कर्मचारी कोड : 2141
एनआईसी राज्य केंद्र, गांधीनगर, गुजरात
एनआईसी में नियुक्ति की तिथि : 30/06/1989 (पूर्वाह्न)
सेवानिवृत्ति की तिथि : 31/01/2026 (अपराह्न)

श्री संतोष वासु मेनन
पूर्व आशुलिपिक ग्रेड -II
कर्मचारी कोड : 2989
एनआईसी राज्य केंद्र, गांधीनगर, गुजरात
एनआईसी में नियुक्ति की तिथि : 26/04/1990 (पूर्वाह्न)
सेवानिवृत्ति की तिथि : 28/02/2026 (अपराह्न)

वाइब्रेंट गुजरात सौराष्ट्र–कच्छ क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन में एनआईसी राजकोट का तकनीकी सहयोग

वाइब्रेंट गुजरात सौराष्ट्र–कच्छ क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन का भव्य आयोजन 11–12 जनवरी 2026 को मारवाड़ी विश्वविद्यालय, राजकोट में किया गया, जिसका उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया।

इस राष्ट्रीय महत्व के आयोजन में एनआईसी राजकोट ने माननीय प्रधानमंत्री के कार्यक्रम हेतु समग्र तकनीकी सहयोग प्रदान किया। टीम ने प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) के लिए आवश्यक आईटी अवसंरचना की स्थापना एवं प्रबंधन किया, सुरक्षित एवं निर्बाध नेटवर्क और इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित की, तथा उद्घाटन समारोह और शिखर सम्मेलन की कार्यवाही के लाइव प्रसारण की व्यवस्था की।

समारोह के दौरान एनआईसी राजकोट की टीम ने निरंतर ऑन-साइट तकनीकी समन्वय और निगरानी बनाए रखी, जिससे सभी आधिकारिक गतिविधियाँ सुचारु रूप से निर्बाध संचालित हुईं। इसके साथ ही, विभिन्न सरकारी एजेंसियों एवं सेवा प्रदाताओं के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित किया गया तथा मौके पर उत्पन्न तकनीकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया।

इन समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप, पूरे शिखर सम्मेलन के दौरान सभी आधिकारिक एवं प्रोटोकॉल संबंधी कार्य बिना किसी व्यवधान के सफलतापूर्वक संपन्न हुए, जो एनआईसी की तकनीकी दक्षता, तत्परता एवं परिचालन उत्कृष्टता को दर्शाता है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के दौरान एनआईसी गिर सोमनाथ द्वारा तकनीकी सहयोग

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 11 जनवरी 2026 को गुजरात के गिर सोमनाथ जिले से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना, शौर्य यात्रा, ड्रोन शो, सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस तथा जनसभा को संबोधन शामिल था। एनआईसी द्वारा इस दो-दिवसीय आयोजन के दौरान इन सभी प्रमुख गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण आईसीटी सहयोग प्रदान किया गया।

एनआईसी गिर सोमनाथ ने स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (SPG) के साथ समन्वय करते हुए तीन स्थानों पर पीएमओ (PMO) की स्थापना की तथा डीआईओ अमरेली के सहयोग से श्री सोमनाथ ट्रस्ट गेस्ट हाउस में वीवीआईपी वीडियो कॉन्फ्रेंस का सफलतापूर्वक आयोजन किया। पूरा कार्यक्रम शून्य डाउनटाइम के साथ सुचारु रूप से संपन्न हुआ।

एसपीजी एवं पीएमओ के अधिकारियों ने पीएमओ स्थापना और वीडियो कॉन्फ्रेंस हेतु टीम की तैयारी, तत्परता एवं उत्कृष्ट निष्पादन की सराहना की, साथ ही जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर ने भी टीम को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

एनआईसी, गिर सोमनाथ द्वारा आईसीटी सेटअप

खाद्यान्न वितरण के लिए डिजिटल करेंसी का शुभारंभ

15 फरवरी 2026 को गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आरबीआई समर्थित प्रोग्रामेबल सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (पीसीबीडीसी) पहल का शुभारंभ किया। इस पहल के अंतर्गत एनएफएसए राशन कार्डधारकों को उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से खाद्यान्न वितरण की व्यवस्था की गई।

पीसीबीडीसी के माध्यम से उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न वितरण

खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं से जुड़े ई-रुपी नवाचार के शुभारंभ के अवसर पर मंच पर कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी, उपमुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी, कैबिनेट मंत्री श्री रमणभाई सोलंकी, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री श्रीमती निमुबेन बंभानिया, राज्य मंत्री श्री पी.सी. बरंडा, गांधीनगर महापौर श्रीमती मीराबेन पटेल, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती मोना खंधार (आईएएस), एनआईसी पीडीएस के एचओजी श्री जी.एम. मुथु कुमारन, आरबीआई के कार्यकारी निदेशक श्री पी. वासुदेवन तथा पीएनबी के कार्यकारी निदेशक श्री डी. सुरेंद्रन शामिल थे।

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण मेड इन इंडिया ग्रेन एटीएम और पैकेट डिस्पेंसर के प्रोटोटाइप का प्रदर्शन रहा, जिसने गणमान्य अतिथियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। मंच से वक्ताओं ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में ऐसे उपकरणों की आवश्यकता पर बल दिया तथा स्टॉल पर दोनों मशीनों का लाइव प्रदर्शन भी किया गया।

माननीय श्री अमित शाह लाभार्थियों को राशन का पैकेट देते हुए

अनाज (गेहूँ, चावल) के ATM और पैकेटबंद सामान (दालें, तेल, नमक, चीनी) के लिए एक वेंडिंग मशीन का प्रोटोटाइप।

एनआईसी गुजरात की टीम ने कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए और गुजरात पीडीएस प्रणाली को पीएनबी सीबीडीसी के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत किया।

एनआईसी पीडीएस टीम

श्री जी.एम. मुथु कुमारन उप महानिदेशक एवं एचओजी (स्मार्ट पीडीएस), श्री अमित शाह वरिष्ठ निदेशक (आईटी), श्री सुबिन थोप्पिल संयुक्त निदेशक (आईटी), श्री हिलेश कलाल उप निदेशक (आईटी) और अन्य टीम सदस्य ।

साणंद (अहमदाबाद) में एटीएमपी, ओएसएटी संयंत्र का उद्घाटन

एनआईसी अहमदाबाद द्वारा साणंद में तकनीकी सहयोग

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 28 फरवरी 2026 को साणंद, अहमदाबाद में माइक्रोन टेक्नोलॉजी के सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्टिंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) संयंत्र का उद्घाटन किया। इसके बाद, 31 मार्च 2026 को उन्होंने उसी स्थान पर केयन्स टेक्नोलॉजी के सेमीकंडक्टर संयंत्र (ओएसएटी) का भी उद्घाटन किया।

इन दोनों आधिकारिक दौरों के दौरान एनआईसी अहमदाबाद की टीम ने, डीआईओ श्री अभिषेक वछराजानी और डीआईए श्री धर्मेश मानसता के नेतृत्व में, एफएमएस टीम के साथ मिलकर आवश्यक आईसीटी सहयोग प्रदान किया। टीम ने साणंद में पीएम कैंप कार्यालय की स्थापना, निर्बाध इंटरनेट कनेक्टिविटी, तथा संबंधित सरकारी विभागों और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के समन्वय से हवाई अड्डे पर समन्वय डेस्क की व्यवस्था सुनिश्चित की।

इस कार्यक्रम की तकनीकी टीम के रूप में, एनआईसी अहमदाबाद ने एएसएल-एसपीजी टीमों, जिला प्रशासन और अन्य हितधारकों के साथ कई उच्च-स्तरीय समन्वय बैठकों में सक्रिय भागीदारी की। इन बैठकों में तकनीकी प्रोटोकॉल निर्णयों को अंतिम रूप दिया गया, जिससे दोनों आयोजनों के लिए वीवीआईपी स्तर की तैयारी सुनिश्चित हो सकी।

जिला टीम ने प्रमुख स्थलों पर मजबूत तकनीकी व्यवस्थाएँ भी स्थापित कीं, जिनमें साणंद सेमीकंडक्टर सुविधा का मुख्य आयोजन स्थल, पीएमओ समन्वय इकाइयाँ, तथा हवाई अड्डा एवं प्रमुख संचार केंद्रों जैसे लॉजिस्टिक्स नोड्स शामिल थे।

प्रमुख तकनीकी कार्य

एनआईसी अहमदाबाद की सक्रिय भूमिका और तकनीकी दक्षता ने इन आयोजनों के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मजबूत आईसीटी अवसंरचना, सुरक्षित संचार व्यवस्था और स्थल पर तकनीकी सहायता के कारण पूरे कार्यक्रम के दौरान ज़ीरो-डाउनटाइम संचालन सुनिश्चित हुआ, जिसकी जिला प्रशासन एवं अन्य हितधारकों द्वारा सराहना की गई।

एनआईसी अहमदाबाद की टीम द्वारा साणंद में स्थापित किया गया पीएम कैंप कार्यालय

स्वागत 2.0 : नागरिक-केंद्रित शासन को सशक्त बनाना

स्वागत 2.0 : शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण

स्वागत शिकायत निवारण प्रणाली को गुजरात सरकार ने 2003 में, तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं वर्तमान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किया था। यह पहल नागरिकों को कागज़-रहित, पारदर्शी और सरल शिकायत निवारण व्यवस्था प्रदान करने वाली एक ऐतिहासिक योजना बन गई है। 21 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा के साथ, स्वागत नागरिक-केंद्रित शासन का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बन चुका है।

शासन व्यवस्था को अत्यधिक प्रभावी एवं उत्तरदायी बनाने के लिए 25 दिसंबर 2024, सुशासन दिवस के अवसर पर उन्नत स्वागत 2.0 पोर्टल का शुभारंभ किया गया। स्वचालित एस्केलेशन सुविधाओं और समर्पित मोबाइल ऐप के साथ यह प्रणाली नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण को सुनिश्चित करती है तथा गुजरात की डिजिटल शासन के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

चैनल	हरा	पीला	लाल
दिन (प्रारंभिक स्तर)	**14**	**45**	**90**
दिन (एस्केलेशन स्तर)	**10**	**21**	**45**

स्वागत 2.0 : बहु-चैनल शिकायत वर्गीकरण

स्वागत 2.0 के अंतर्गत मुख्यमंत्री जनसंपर्क इकाई, तालुका स्वागत, जिला स्वागत, राज्य स्वागत, लोक-फरियाद और मुख्यमंत्री को लिखें (WTC) जैसे विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का निस्तारण किया जाता है। इन शिकायतों को उनकी जटिलता और प्राथमिकता के आधार पर हरा, पीला, और लाल चैनलों में वर्गीकृत किया जाता है। जिनका विवरण निम्नानुसार है : -

हरा चैनल
तत्काल ध्यान एवं त्वरित निस्तारण योग्य सामान्य शिकायतें।

पीला चैनल
अंतर-विभागीय समन्वय या अतिरिक्त समय की जरूरत वाली शिकायतें।

लाल चैनल
जटिल शिकायतें जिनके निस्तारण में लंबा समय लगता है।

प्रत्येक चैनल के लिए निर्धारित समय-सीमा और स्तर-1 से स्तर-7 तक की एस्केलेशन प्रणाली यह सुनिश्चित करती है कि शिकायतों पर समयबद्ध एवं उत्तरदायी कार्रवाई हो।

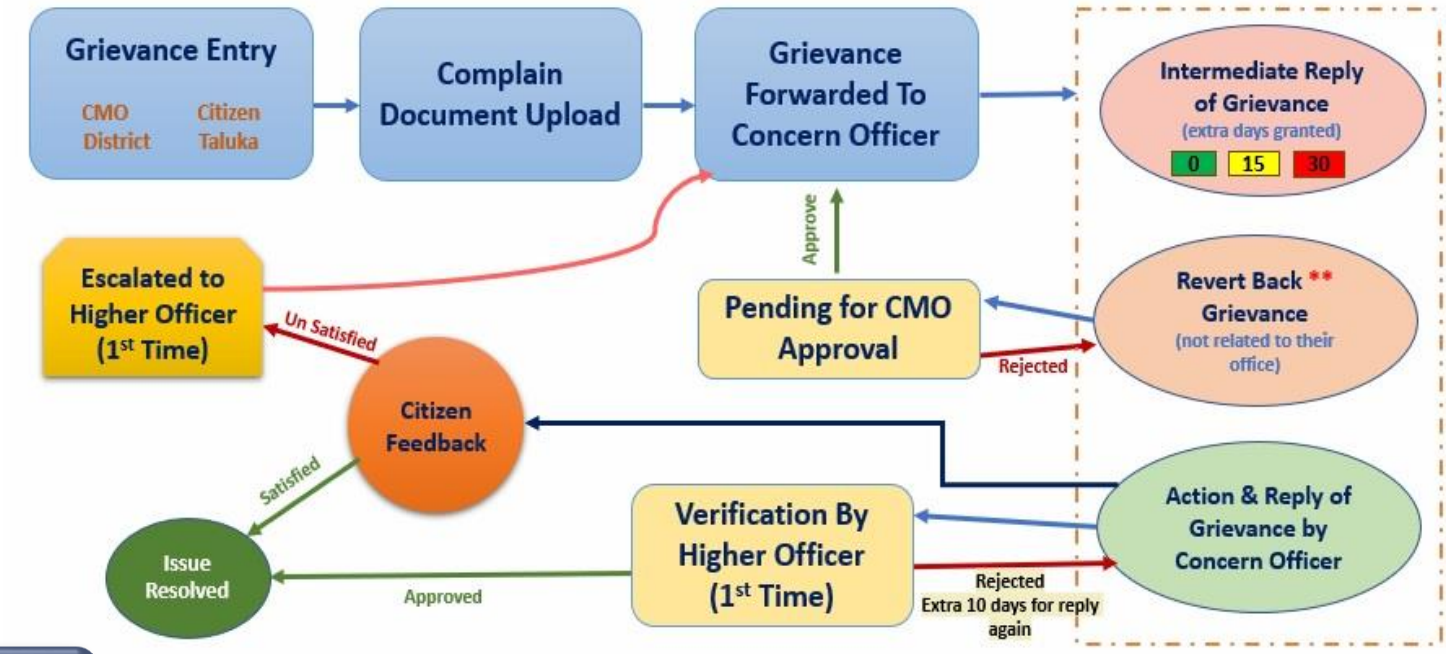

** No Revert in DS/TS/GS and Only Allowed on Initial Level of Escalation Channel.

माननीय मुख्यमंत्री, "राज्य स्वागत" कार्यक्रम में अधिकारियों को निर्देश देते हुए

राज्य स्वागत प्रक्रिया

- राज्य स्वागत का आयोजन गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में प्रत्येक माह के चौथे गुरुवार को किया जाता है।
- राज्य के किसी भी भाग से नागरिक राज्य स्वागत दिवस पर सुबह 8:00 बजे से मुख्यमंत्री जनसंपर्क कार्यालय में आकर अपनी शिकायत प्रस्तुत कर सकते हैं।
- प्रत्येक शिकायत तीन-स्तरीय जांच प्रक्रिया से गुजरती है और चयनित नागरिकों को माननीय मुख्यमंत्री से सीधे मिलने तथा अपनी समस्या रखने का अवसर मिलता है।
- माननीय मुख्यमंत्री, संबंधित सचिवों तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े सभी जिला कलेक्टरों के साथ शिकायतों को सुनते हैं और उनके शीघ्र निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करते हैं।
- यह सुव्यवस्थित प्रक्रिया गुजरात में उत्तरदायी, पारदर्शी और नागरिक-प्रथम शासन की मजबूत मिसाल प्रस्तुत करती है।

राज्य स्वागत के चरण

आगंतुक पंजीकरण

राज्य स्वागत के आँकड़े (मार्च 2026 तक)		
प्राप्त	निवारण	लंबित
2133	2112	21

एनआईसी गुजरात द्वारा ई-गवर्नेंस में एआई का विस्तार

दिनांक 2 मार्च 2026 को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, गुजरात के उप महानिदेशक एवं राज्य समन्वयक श्री टिमोथी दखर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एचओजी(प्रोजेक्ट्स) के साथ अपनी पहली परिचयात्मक बैठक की, जिसमें चल रही विभिन्न ई-गवर्नेंस परियोजनाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग पर चर्चा की गई। बैठक में राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी एवं वैज्ञानिक-जी श्री प्रमोद कुमार सिंह ने राज्य की प्रमुख ई-गवर्नेंस गतिविधियों का संक्षिप्त परिचय देते हुए राज्य समन्वयक का स्वागत किया।

बैठक के दौरान राज्य समन्वयक ने सार्वजनिक सेवाओं में प्रक्रियाओं को सरल बनाने और दक्षता बढ़ाने के लिए एआई एवं मशीन लर्निंग (एमएल) के अत्यधिक उपयोग पर बल दिया। उन्होंने 16 से 21 फरवरी 2026 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट का उल्लेख करते हुए एआई के दैनिक जीवन पर पड़ने वाले व्यापक प्रभाव को रेखांकित किया। साथ ही, उन्होंने सभी ग्रुप हेड्स से अपने-अपने प्रचलित ई-गवर्नेंस प्रोजेक्ट्स में एआई के उपयोग से संबंधित कार्यान्वयन करने का अनुरोध किया।

उप महानिदेशक एवं गुजरात राज्य समन्वयक राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र गुजरात के अधिकारियों के साथ वर्चुअल वार्तालाप करते हुए ।

AI-आधारित पहलें : NIC गुजरात की नवीनतम उपलब्धियां

एनआईसी गुजरात अपनी ई-गवर्नेंस परियोजनाओं के कई महत्वपूर्ण एआई-आधारित समाधान विकसित कर चुका है। इनमें से एक प्रमुख पहल **"एआई निर्भित"** है, जो गर्वी पोर्टल से डाउनलोड किए गए संपत्ति दस्तावेजों में मौजूद पैन नंबर, आधार नंबर और अंगूठे के निशान जैसी संवेदनशील व्यक्तिगत सूचनाओं को छिपाने के लिए विकसित की गई एआई-आधारित मास्किंग सेवा है। महानिरीक्षक पंजीकरण एवं मुद्रांक आयुक्त, गुजरात सरकार के लिए लागू यह सेवा जनवरी 2025 से गर्वी पोर्टल द्वारा संचालित है। एक अन्य महत्वपूर्ण पहल के तहत राजस्व विभाग में कार्यरत एनआईसी की भू-नक्शा प्रभाग ने इसरो, अहमदाबाद के साथ मिलकर उपग्रह चित्रों के माध्यम से सरकारी भूमि का जियो-रेफरेंसिंग किया है। इससे सरकारी भूमि में अतिक्रमण और अवैध निर्माणों की पहचान संभव हुई है, जिससे प्रशासनिक निर्णय अधिक सटीक और प्रभावी बन सके हैं। यह परियोजना जनवरी 2026 से क्रियाशील है।

परिवहन एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली में एआई एकीकरण

परिवहन और सार्वजनिक वितरण प्रणाली में भी एआई का अत्यधिक उपयोग करने का प्रयास किया गया है। परिवहन क्षेत्र में व्यक्तिगत लर्निंग लाइसेंस परीक्षा के दौरान आवेदकों के चेहरे के भाव और ड्राइविंग व्यवहार का विश्लेषण कर यातायात नियमों के उल्लंघन का पता लगाने के लिए एआई उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। यह प्रणाली जुलाई 2025 से पूरे गुजरात में एनआईसी–सारथी टीम के मार्गदर्शन में संचालित है। वहीं, सार्वजनिक वितरण प्रणाली में एफ़सीआई गोदामों से GSCSC गोदामों तथा आगे उचित मूल्य दुकानों (FPS) तक डिलीवरी रूट ऑप्टिमाइज़ेशन लागू किया गया है। इस दिशा में सरकार आईआईटी दिल्ली द्वारा प्रस्तावित विभिन्न डिलीवरी मॉडलों को भी लागू करने हेतु मूल्यांकन कर रही है।

खाद्य खरीद एवं नागरिक सेवाओं में एआई

खाद्यान्न खरीद प्रक्रिया में भी एनआईसी गुजरात ने अहम भूमिका निभाई है। मंडियों में खाद्यान्न की ग्रेडिंग और गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए एआई-आधारित प्रणाली लागू की गई है, जो नमूनों का स्कैन कर, प्रशिक्षित मॉडलों से गुणवत्ता मानकों के आधार पर तुलना करती है और स्वचालित ग्रेडिंग रिपोर्ट तैयार करती है। इन रिपोर्टों की पुष्टि क्षेत्रीय विशेषज्ञों की मैनुअल रिपोर्टों से की जाती है। साथ ही, नागरिक-केंद्रित एप्लिकेशनों में भाषिणी और चैटबॉट समाधान लागू करने की तैयारी भी चल रही है, जिसका रोलआउट अगले तीन महीनों में किया जाना प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड में एआई एकीकरण

एक अन्य उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड – समाचार विश्लेषण मॉड्यूल को तृतीय-पक्ष एआई मॉडल के साथ एकीकृत किया गया है। यह प्रणाली प्रतिदिन लगभग 100 स्थानीय समाचार पत्रों की पीडीएफ़ फाइलों का विश्लेषण करती है, सकारात्मक एवं नकारात्मक समाचारों की पहचान करती है, तथा आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई हेतु उन्हें स्वतः जिला कलेक्टर्स और नगर आयुक्तों के साथ साझा करती है।

आरएमएस : कलेक्टर कार्यालय के कामकाज में आमूल परिवर्तन

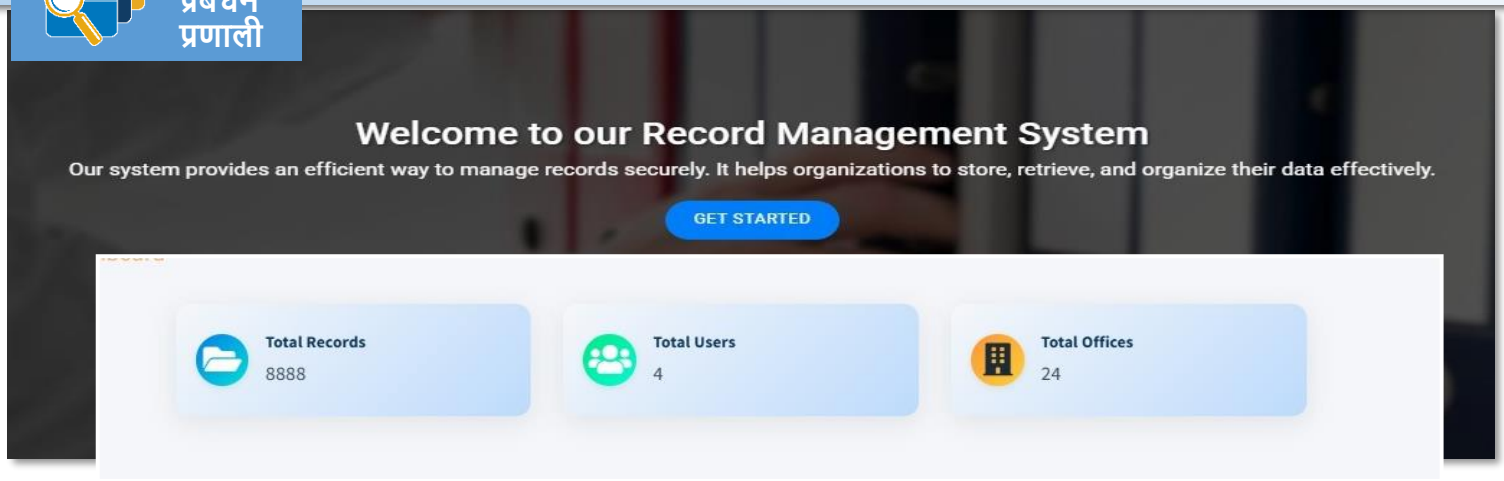

डिजिटल आधारित कुशल रिकॉर्ड प्रबंधन

गुजरात सरकार के कलेक्टर कार्यालयों में भौतिक रिकॉर्ड प्रबंधन लंबे समय से चुनौती बना हुआ था—अव्यवस्थित भंडारण, समय लेने वाली खोज प्रक्रिया और त्रुटिपूर्ण मैनुअल ट्रैकिंग। रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली (आरएमएस) के अगस्त 2025 में लॉन्च द्वारा इन समस्याओं का समाधान कर दिया गया है।

आरएमएस उपयोगकर्ताओं को भौतिक रिकॉर्ड्स को डिजिटाइज करने की सरल सुविधा प्रदान करता है। विषय, रिकॉर्ड नंबर, पृष्ठ संख्या और स्कैन दस्तावेज अपलोड जैसी महत्वपूर्ण जानकारी एक केंद्रीकृत भंडार में दर्ज होती है। इससे मैनुअल कागजी कार्य एवं उनका रखरखाव बेहतर होता है और रिकॉर्ड्स की पूर्ण ट्रेसिबिलिटी सुनिश्चित होती है।

नवाचार का मजबूत तकनीकी ढांचा

तीन-स्तरीय स्केलेबल आर्किटेक्चर पर आधारित आरएमएस में शामिल हैं :-

एंगुलर फ्रंट एंड
सहज, अनुक्रियाशील इंटरफेस के लिए

नोड.जेएस (एक्सप्रेस.जेएस) बैक एंड
मजबूत व्यावसायिक तर्क के लिए

मोंगोडीबी डेटाबेस
लचीला, उच्च-प्रदर्शन डेटा प्रबंधन के लिए

त्वरित पहुंच: शक्तिशाली सर्च इंजन

आरएमएस का मुख्य आकर्षण इसका मल्टी-फील्ड सर्च इंजन है। उपयोगकर्ता विषय, नंबर या तिथि जैसे किसी भी क्षेत्रों के संयोजन से रिकॉर्ड्स खोज सकते हैं—परिणाम तत्काल और सटीक मिलते हैं। यह सुविधा खोज समय अवधि को घंटों से सेकंड्स में कर देती है, उत्पादकता और सटीकता में अभूतपूर्व वृद्धि करती है।

नेतृत्व की सराहना एवं भविष्य दृष्टि

अहमदाबाद जिला प्रशासन ने श्री अभिषेक वछराजानी डीआईओ, एनआईसी-अहमदाबाद के प्रयासों की प्रशंसा की तथा श्री प्रमोद कुमार सिंह डीडीजी एवं एसआईओ एनआईसी-गुजरात, श्री अतुल खुंटी डीडीजी एवं एएसआईओ (राज्य), श्रीमति जूली प्रजापति संयुक्त निदेशक (आईटी) और श्री तुषार मेहता, वरिष्ठ निदेशक (आईटी) एवं पूर्व डीआईओ को हार्दिक धन्यवाद दिया। उनका विज़न पूरे राज्य में इसके विस्तार का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

CERTIFICATE
OF APPRECIATION
THIS CERTIFICATE IS PRESENTED TO
NIC Ahmedabad
District Administration honor the effort which NIC-Ahmedabad Team has put in successfully rolling out the State developed Record Management Web based Application (RMS) . This application will help to make record digitization smoother, easier and anytime available .I appreciate active participation, dedication and initiative of DIO, Sh. Abhishek Vachharajani. We are also thankful to SIO,NIC-Gujarat and Other State NIC Record Project Team - Sh. Atul Khunti (Sr. Director(IT)) , Smt. Juleeben Prajapati (Joint Director(IT)) and whole team for their best and prompt support.
SHRI. H.U. SHAH
Add. Resident Dy.Collector-Ahmedabad
Date - 18.08.2025

सुरक्षित इंटरनेट दिवस 2026 का गुजरात में व्यापक आयोजन

बाईसेग एन में आयोजित कार्यशाला में एनआईसी गुजरात के एसआईओ श्री प्रमोद कुमार सिंह, अन्य अधिकारियों के साथ।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस 2026 पर कार्यशालाओं का आयोजन

सुरक्षित इंटरनेट दिवस 2026 के अंतर्गत 10 फरवरी 2026 को एनआईसी गुजरात राज्य केंद्र, गांधीनगर तथा इसके सभी 33 जिला एनआईसी केंद्रों द्वारा डिजिटल प्रौद्योगिकियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सुरक्षित, उत्तरदायी एवं सूचित उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनाया गया, विशेष रूप से बच्चों, महिलाओं और युवाओं के बीच इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग पर बल दिया गया।

इस अवसर पर एनआईसी गुजरात द्वारा श्री प्रमोद कुमार सिंह, राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी, एनआईसी गुजरात के मार्गदर्शन में विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। बाईसेग-आई स्टूडियो, गांधीनगर में आयोजित एक कार्यशाला-सह-लाइव सत्र में सुरक्षित एवं जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग, साइबर स्वच्छता और डिजिटल जागरूकता पर विस्तृत चर्चा हुई। यह सत्र बाईसेग-एन प्रसारण नेटवर्क के माध्यम से लगभग 14,000 ग्राम पंचायतों तक पहुँचा, जबकि 1100 से अधिक स्थानों ने यूट्यूब लिंक के माध्यम से इसमें सहभागिता की।

इसी क्रम में गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुख्यालय, गांधीनगर में भी एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, राज्य एनआईसी केंद्र में एनआईसी अधिकारियों, आउटसोर्स तकनीकी कर्मियों, जिला अधिकारियों एवं उपयोगकर्ता विभागों के लिए भी एक कार्यशाला आयोजित की गई।

जिला स्तर पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारियों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों और सरकारी कार्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम किए गए, जिससे यह आयोजन पूरे राज्य में सफल और प्रभावशाली सिद्ध हुआ।

हिन्दी कार्यशाला : "चित्र देखो और वर्णन करो" प्रतियोगिता

हिन्दी कार्यशाला एवं प्रतियोगिता का आयोजन

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), गुजरात की हिंदी समिति ने राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी एवं उप महानिदेशक श्री प्रमोद कुमार सिंह की अध्यक्षता में 24 मार्च 2026 को त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला के आयोजन के साथ ही नराकास गांधीनगर के तत्वाधान में एनआईसी गुजरात राज्य केंद्र, जिला केंद्रों के अधिकारियों तथा नराकास सदस्य कार्यालयों के स्टाफ के लिए "चित्र देखो और वर्णन करो" प्रतियोगिता का भी आयोजन किया।

बड़ौदा एपेक्स एकेडमी, बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य प्रबंधक श्री मनीष शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रतियोगिता को ऑनलाइन वेब एप्लिकेशन के माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें यादृच्छिक चित्र स्क्रीन पर प्रदर्शित किए गए।

प्रतियोगिता में तीन श्रेणियाँ—**"प्रसिद्ध व्यक्तित्व"**, **"प्रसिद्ध स्थान"** और **"प्रसिद्ध त्योहार"**—निर्धारित की गईं, जिसमें प्रतिभागीयों ने अपनी पसंद का चयन कर 3 मिनट में चित्र का वर्णन किया |

एसआईओ, गुजरात मुख्य अतिथि का सम्मान करते हुए |

विभिन्न श्रेणीयों के लिए बोलते हुये प्रतिभागी

मुख्य अतिथि ने तकनीक और हिंदी के संगम से सफल आयोजन के लिए एनआईसी गुजरात टीम की प्रशंसा की। श्री प्रमोद कुमार सिंह ने प्रतियोगिता के सूत्रधार एवं संचालक, हिंदी अधिकारी श्री कुणाल देराश्री को शुभकामनाएँ देते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यशाला के समापन पर श्री कुणाल देराश्री, उप निदेशक(आईटी) ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। यह आयोजन प्रतिभागियों के लिए ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ तथा सभी ने कार्यालयीन एवं तकनीकी कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का संकल्प लिया।

प्रतियोगिता के विजेता

प्रथम : श्री दिनेश गहलोत, स्नातकोत्तर शिक्षक, हिन्दी
केन्द्रीय विध्यालय क्रमांक 3, गांधीनगर छावनी

द्वितीय : श्रीमति ज्योति अग्रवाल, वैज्ञानिक अधिकारी
प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर

तृतीय : श्री मनीष शर्मा , सहायक प्रोफेसर
राष्ट्रीय फ़ैशन प्रोध्योगिकी संस्थान, गांधीनगर

प्रोत्साहन - प्रथम : श्री रितेश
प्लाज्मा अनुसंधान केंद्र, गांधीनगर

प्रोत्साहन - द्वितीय : श्री दिनेश चौहान, वैज्ञानिक एफ
राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, गुजरात राज्य केंद्र

एनआईसी गुजरात राज्य एसआईओ श्री प्रमोद कुमार सिंह
श्री जगदीश बी सोनी (सेवानिवृत) के साथ

श्री जगदीश बी. सोनी का विदाई समारोह

दिनांक 31 जनवरी 2026 को श्री जगदीश बी. सोनी, पूर्व वैज्ञानिक-जी एवं एएसआईओ (जिला) की सेवानिवृत्ति पर उनके दीर्घ एवं उत्कृष्ट सेवाकाल के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गुजरात राज्य केंद्र, गांधीनगर तथा विभिन्न जिला एनआईसी केंद्रों के अधिकारी एवं कर्मचारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

श्री सोनी ने 30 जून 1989 को जिला एनआईसी केंद्र, महेसाणा से एनआईसी में अपना कार्यकाल प्रारंभ किया। इसके बाद उन्होंने पाटन में अपनी सेवाएँ दी तथा वर्ष 2021 में गुजरात राज्य केंद्र, गांधीनगर स्थानांतरित हुए। अपने लंबे एवं समर्पित सेवाकाल के दौरान उन्होंने राजस्व, कृषि एवं शिक्षा विभाग के लिए विभिन्न ई-गवर्नेंस परियोजनाओं के डिजाइन, विकास एवं क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

वैज्ञानिक-जी एवं राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी, गुजरात श्री प्रमोद कुमार सिंह ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर श्री सोनी का स्वागत किया। श्री कुणाल देराश्री, वैज्ञानिक-सी ने भी भौतिक एवं वर्चुअल माध्यम से जुड़े सभी प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने श्री जगदीश बी. सोनी की यात्रा पर भावपूर्ण विचार साझा किए और उनके बचपन से लेकर एनआईसी की तकनीकी उपलब्धियों में योगदान देने वाले एक सक्षम तकनीकी नेतृत्वकर्ता बनने तक की प्रेरक यात्रा का उल्लेख किया।

एनआईसी गुजरात एसआईओ श्री प्रमोद कुमार सिंह सभी समुहाध्यक्षों के साथ श्री संतोष मेनन (सेवानिवृत) को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए

श्री संतोष वासु मेनन का विदाई समारोह

दिनांक 8 फरवरी 2026 को श्री संतोष वासु मेनन, पूर्व स्टेनो ग्रेड-II की सेवानिवृत्ति पर उनके उत्कृष्ट एवं दीर्घ सेवाकाल को सम्मानित करते हुए विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गुजरात राज्य केंद्र, गांधीनगर तथा विभिन्न जिला एनआईसी केंद्रों के अधिकारी एवं कर्मचारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

श्री मेनन ने 26 अप्रैल 1990 को एनआईसी गुजरात राज्य केंद्र, गांधीनगर में स्टेनो ग्रेड-III के रूप में अपना कार्यभार संभाला। 36 वर्षों से अधिक के अपने लंबे सेवाकाल में उन्होंने 5 एसआईओ, 9 डीडीओ और 6 अनुभाग अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्य किया।

वैज्ञानिक-जी एवं राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी, गुजरात श्री प्रमोद कुमार सिंह ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर श्री मेनन का स्वागत किया। श्री कुणाल देराश्री, वैज्ञानिक-सी ने भौतिक एवं वर्चुअल माध्यम से जुड़े सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने श्री संतोष मेनन के स्वभाव और गुणों का उल्लेख करते हुए, विशेष रूप से लेखा-संबंधी कार्यों में उनकी ईमानदारी और समर्पण की सराहना की। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि श्री मेनन ने सदैव प्रशासनिक कार्यों में नियमों, पारदर्शिता और उचित प्रक्रिया को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, गुजरात का सतर्कता जागरूकता सप्ताह में उत्कृष्ट प्रदर्शन

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), गुजरात ने 27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025 तक "सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2025" का आयोजन "सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी" विषय के अंतर्गत किया। एनआईसी दिल्ली मुख्यालय द्वारा आयोजित निबंध लेखन, नारा लेखन एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताओं में सभी अधिकारियों एवं संविदा कर्मचारियों को सक्रिय सहभागिता हेतु प्रोत्साहित किया गया। अनेक उत्कृष्ट प्रविष्टियाँ सतर्कता विभाग को प्रेषित की गईं।

गर्व की बात — एनआईसी गुजरात ने तीनों श्रेणियों में पुरस्कार अर्जित किए। विजेता टीम के सदस्यों का विवरण निम्नानुसार है :

नारा लेखन | तृतीय स्थान

श्री चूड़ासमा भाविन हरेशभाई (वैज्ञानिक अधिकारी /इंजी-एस.बी.) डीआईओ–एनआईसी, राजकोट

नारा: "ईमानदारी से जुड़े हम, सतर्कता से बढ़े कदम"

नारा लेखन | सांत्वना पुरस्कार (प्रथम)

श्री कुणाल देराश्री (वैज्ञानिक सी)
एनआईसी गुजरात राज्य केंद्र, गांधीनगर

नारा : "सतर्कता हमारी पहचान –
ईमानदारी हमारी शान"

नारा लेखन | सांत्वना पुरस्कार (द्वितीय)

श्री रैनिसन किरीटभाई जादव (नेटवर्क फील्ड ऑफिसर) एनआईसी, खेड़ा (नडियाद)

नारा: "सतर्कता अपनाएँ, ईमानदारी बढ़ाएँ ,
मिलकर भ्रष्टाचार मिटाएँ"

निबंध लेखन | तृतीय स्थान

श्री शिवेंद्र प्रताप सिंह (वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-ए) डीआईओ–एनआईसी, बनासकांठा

निबंध शीर्षक – "सतर्कता: हमारी साझा ज़िम्मेदारी"

पोस्टर निर्माण | सांत्वना पुरस्कार (प्रथम)

सुश्री निराली आशीषभाई गोहिल (यूआई/यूएक्स डिज़ाइनर) एनआईसी गुजरात राज्य केंद्र, गांधीनगर

एसीएस (राजस्व) द्वारा आयोजित "पॉट लक गैदरिंग" में एनआईसी राजस्व टीम की सहभागिता

अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) टीम एनआईसी को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए

श्रीमति जयंती एस रवि, अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) द्वारा आयोजित "पॉट लक गैदरिंग" कार्यक्रम में एनआईसी राजस्व टीम ने प्रोग्रामर्स एवं सहायक स्टाफ के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया। पॉट लक परंपरा के अनुरूप टीम ने घर के बने विविध व्यंजन प्रस्तुत किए, जिससे सभी उपस्थितजनों को एक जीवंत एवं स्वादिष्ट भोजन अनुभव प्राप्त हुआ।

इस आयोजन ने प्रतिभागियों को नियमित कार्य, वातावरण से बाहर संवाद स्थापित करने एवं पेशेवर संबंधों को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान राजस्व विभाग की पहलों एवं डिजिटल सेवाओं में एनआईसी टीम के समर्पित प्रयासों एवं मूल्यवान योगदान को विशेष रूप से सराहा गया।

टीम की समर्पण भावना, तकनीकी सहयोग एवं विभागीय समन्वय की मान्यता में एनआईसी को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। आयोजकों ने सभी टीमों की उत्साही भागीदारी की सराहना करते हुए समापन किया, जिसमें टीमवर्क, सहयोग एवं सकारात्मक कार्यस्थल संस्कृति के महत्व को रेखांकित किया गया।

Aji Dam, Rajkot

आजी बांध, राजकोट

Aji Dam is one of major dams in Saurashtra and among the famous tourist attractions of Rajkot.Built across Aji River, the Aji Dam construction was started in 1952 and completed in 1954. The length of the dam is 2426 m and the total volume content of the dam is 894 tmc. This is the main source of water for people of Rajkot hence it is fondly called as the lifeline of Rajkot City. Aji Dam Garden is quite popular owing to its unique nature and is maintained by Rajkot Municipal Corporation.